Tender Heart High School, Sector - 33-B, Chandigarh.

कक्षा - दसवीं
विषय - हिन्दी व्याकरण   शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
पुस्तक - सरस हिन्दी व्याकरण IX, X

उपविषय - अनौपचारिक पत्र

जिन व्यक्तियों के साथ व्यक्तिगत तथा पारिवारिक संबंध होते हैं, उन्हें लिखे जाने वाले पत्र अनौपचारिक पत्र कहलाते हैं। अपने माता-पिता, भाई-बहन, संबंधियों तथा मित्रों को लिखे जाने वाले पत्र अनौपचारिक पत्र होते हैं।

पत्र कैसे लिखें

प्रश्न-पत्र में प्राय: दोनों प्रकार के पत्र पूछे जाते हैं परन्तु उनमें से एक लिखना होता है। प्रश्न पढ़कर सबसे पहले आप यह देखें कि किस प्रश्न को आप अच्छा लिख सकते हैं। यह तय करने के लिए निम्नलिखित बिंदु सहायक होंगे :-

किसकी रूपरेखा पर आपका पूरा अधिकार है ?

किसका विषय आपको रुचिकर लगता है ?

किसे आप अधिकारपूर्वक लिख सकते हैं ?

तीनों प्रश्नों के उत्तर जिस पत्र पर अधिक बल दें, उसे चुन लीजिए। हो सकता है आपको दोनों पत्रों पर समान अधिकार हो और दोनों ही आप लिख सकते हो, तब एक और प्रश्न अपने आप से पूछिए -

किसे अधिक आकर्षक और प्रभावी ढंग से लिख सकते हैं ?

चुनने के बाद आप विषय को रोचक ढंग से लिखें।

अच्छे पत्र के गुण

* निजता - पढ़ने वाले को लगे कि पत्र उसी के लिए विशेष रूप से लिखा गया है। लेखक और पाठक मानो सामने बैठकर बातें कर रहे हैं।

* लघुता - अनावश्यक विस्तार न हो किंतु कोई महत्त्वपूर्ण बात छूट न जाए।
* स्पष्टता - विषयवस्तु स्पष्ट हो। पढ़ने वाला वही समझे जो आप कहना चाहते हैं।
* विनम्रता - पत्र से पग-पग पर शिष्टता झलकनी चाहिए।

→ **विषय** - आज दिन-प्रतिदिन सूचना और संचार माध्यम लोगों के बीच लोकप्रिय होते जा रहे हैं। ऐसे में पत्र-लेखन पीछे छूटता जा रहा है। पत्र लेखन का महत्त्व बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

(अध्यापिका द्वारा छात्रों को अनौपचारिक पत्र का प्रारूप भेजा जा रहा है। इसकी सहायता से छात्र पत्र को लिख सकते हैं।)

→ **अनौपचारिक पत्र का प्रारूप**

------------, (पत्र लिखने वाले का पता)
------------,
------------। (शहर का नाम)
------------ (दिनांक)
------------ (संबोधन)
------------ (अभिवादन)
------------ पत्र लिखने का उद्देश्य ------

------------ विषय-विस्तार ------------

------------ समापन ------------।
------------ (अभिनिवेदन)
------------ (पत्र लिखने वाले का नाम)

कक्षा - दसवीं
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण (अनौपचारिक पत्र)

गृहकार्य

→ छात्र अध्यापिका द्वारा दिए पत्र के विषय को ध्यान में रखते हुए पत्र लिखेंगे। छात्र इस कार्य को सुन्दर लिखाई में लिखेंगे।

निर्देश

→ छात्र इस पत्र को लिखने से पहले विषय को ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे क्योंकि विषय की स्पष्टता आवश्यक है।
→ सभी छात्र अनौपचारिक पत्र के प्रारूप को ध्यान में रखते हुए ही पत्र लिखेंगे।
→ इस पत्र को छात्र अपनी - अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।
→ अभिभावकों से भी अनुरोध है कि वे इस कार्य को समय पर पूर्ण करवाने में अपने बच्चों का सहयोग दें।